राजस्थान पत्रिका, 22 अप्रेल, 2017

बिट्स की रोशनी छाबड़ा का यूनेस्को मल्टीमीडिया में चयन

पिलानी @ पत्रिका. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड साइंस (बिट्स) की छात्रा रोशनी छाबड़ा का चयन यूनेस्को मल्टीमीडिया की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में हुआ है। संस्थान के मीडिया प्रभारी ने बताया कि अंतराष्ट्रीय यूनेस्को मल्टीमीडिया की ओर से मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट ऑन क्राइसिस प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इस वर्ष प्रतियोगिता में 75 देशों के छह सौ प्रतिभागी विद्यार्थियों ने भाग लिया था। छाबड़ा ने प्रथम दस में जगह बनाई है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का विषय बढ़ती संख्या का अंतर्राष्ट्रीय संकट और शरणार्थियों की निराशाजनक स्थिति आज दुनिया का सामना करने वाले सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है रखा गया था। उन्होने बताया कि यूनस्को के सेंटर फॉर पीस की ओर से शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति में बुनियादी परिवर्तन लाने के लिए दुनिया भर की युवतियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

दैनिक भास्कर, 22 अप्रेल, 2017

हर्ष व दिशांत को चित्रार्थ डागर अवार्ड

पिलानी | बिट्स परिसर में शुक्रवार को मैकेनिकल इंजीनियरिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में बिट्स के पूर्व मैकेनिकल संकाय के छात्र चित्रार्थ डागर मेमोरियल अवार्ड वितरण समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्ष बिट्स निदेशक प्रो. अशोक कुमार सरकार व मुख्य अतिथि आरसी डागर थे। उन्होंने ओएसिस व अपोजी में गुरुकुल का नेतृत्व भी किया था। अतिथियों ने हर्ष शर्मा (मैकेनिकल) व दिशांत संगानी (गुरुकुल) को चित्रार्थ डागर मेमोरियल अवार्ड देकर सम्मानित किया। संचालन आर्या व आदित्य ने किया।

दैनिक भास्कर, 22 अप्रेल, 2017

रोशनी का यूनेस्को मल्टीमीडिया स्पर्धा में चयन

भास्कर न्यूज | पिलानी

बिट्स पिलानी की छात्रा रोशनी छाबरा का अंतरराष्ट्रीय यूनेस्को

मल्टीमीडिया की मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट ऑन क्राइसिस प्रतियोगिता में चयन हुआ है। मीडिया प्रभारी गिरधर बी कुनकुर ने बताया कि मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट ऑन क्राइसिस प्रतियोगिता में 75 देशों के करीब 600 स्टूडेंट्स ने भाग लिया था जिसके 24-25 आयुवर्ग में बिट्स की छात्रा रोशनी छाबरा का प्रथम 10 फाइनलिस्ट में चयन हुआ है। शिक्षा, विज्ञान व संस्कृति में बुनियादी परिवर्तन लाने वाली यूएन संगठन के यूनेस्को सेंटर फोर पीस द्वारा आयोजित वार्षिक मल्टीमीडिया प्रतियोगिता में विश्व के विभिन्न देशों के युवा भाग लेते हैं। प्रतियोगिता का विषय 'बढ़ती जनसंख्या का अंतरराष्ट्रीय संकट और शरणार्थियों की निराशाजनक स्थिति आदि है।